आधाफुल के और भी कमाल के किस्से हैं।
सब पढ़ डालो।
एक भी किस्सा छूट न जाए।

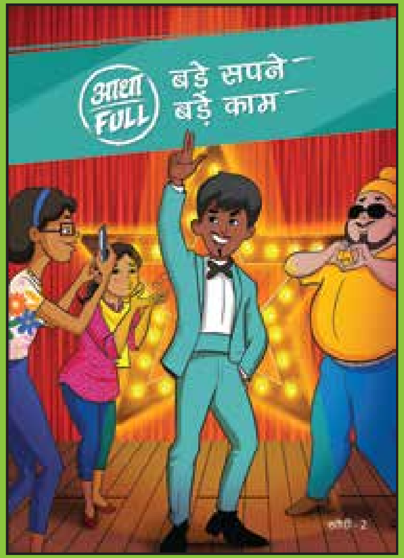

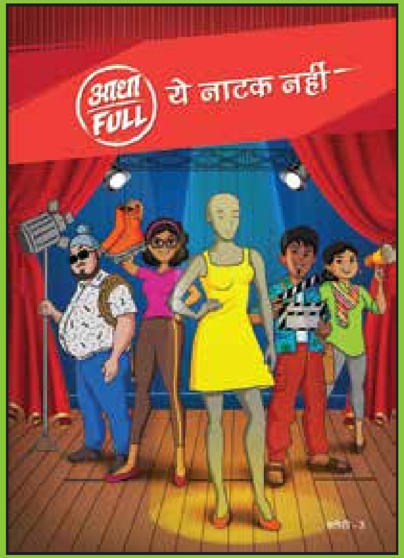

Developed and created by BBC Media Action
in partnership with UNICEF, DOVE and the Center for Appearances Research

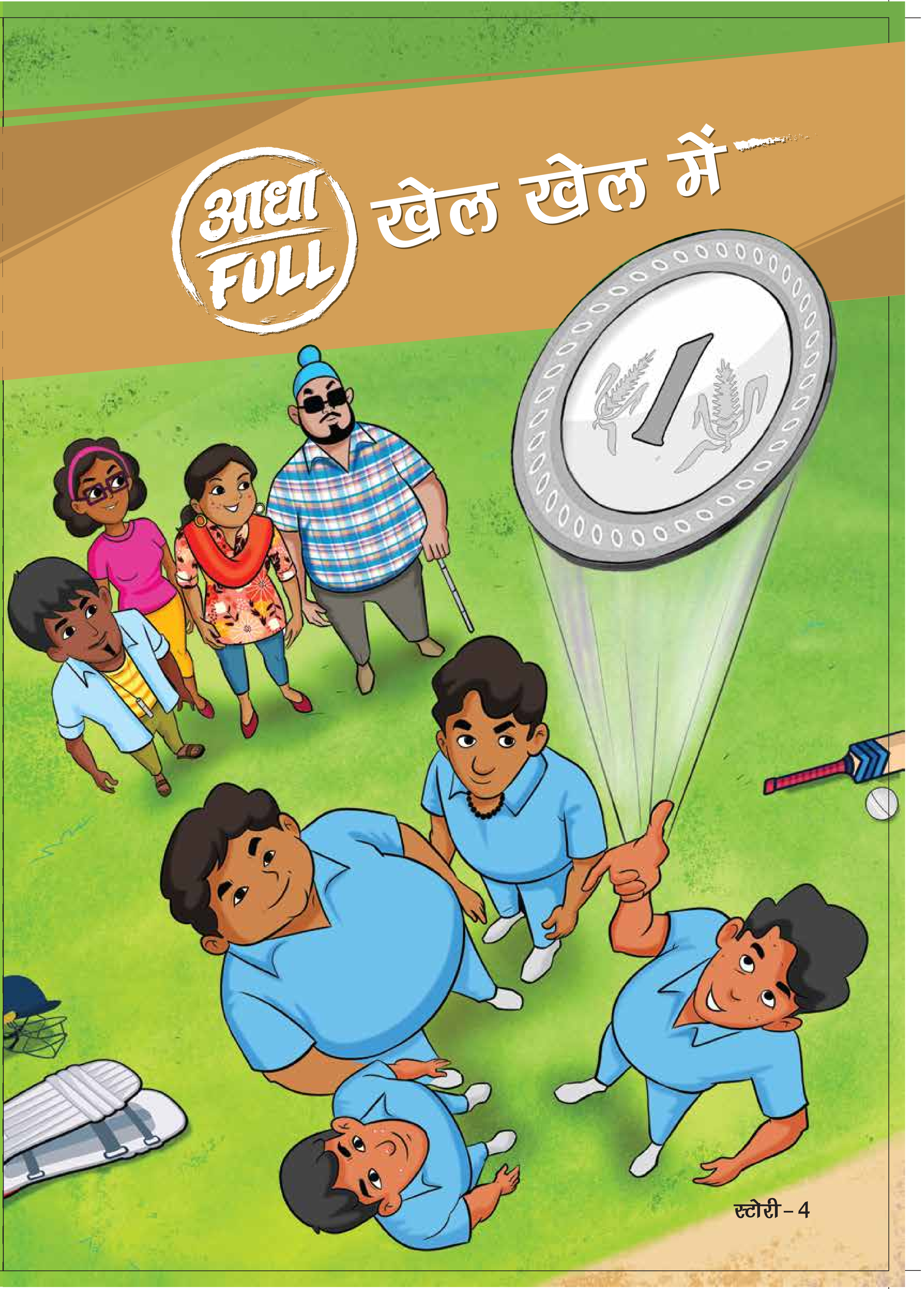

तारा
हाई! मैं हूं तारा। 15 साल की हूं और दसवीं में पढ़ती हूं। कुछ लोग मुझे कहते हैं वॉकिंग-टॉकिंग एन्साइक्लोपीडिया! मेरा स्लोगन?
तारा कभी झूठ नहीं बोलती!
किटी
हैलो! मैं हूं किटी। उम्र 18! यानी मैं अपना स्कूटर भी चला सकती हूं और वोट भी दे सकती हूं। मैं हूं कॉलेज के पहले साल में। किसी को मैं लगती हूं चुलबुली, किसी को समझदार। पर एक बात तो सब मानते हैं
मेरे लिए नथिंग इज इंपॉसिबल!
बल्लू
हैलो। मैं हूं बल्लू। किटी के साथ कॉलेज में हूं और आधाफुल गैंग का नया मैंबर हूं। मेरी आंखे बचपन में ही चली गई थीं। पर कोई बात नहीं!
सुनना और सूंघना हैं मेरी सुपरपावर!
अदरक
हाई-लो दोस्तों। मैं आपका अपना अदरक। 17 साल का हूं और ओपन कॉलेज से पढ़ाई कर रहा हूं। अब तो मेरे बैग में हमेशा किताबें भरी रहती हैं,
और दिमाग में आईडियाज!

वाओ! ओपन चैलेंज क्रिकेट क्लब के ट्रायल्स होने वाले हैं!
ओपन क्रिकेट चैलेंज
हे तारा! देखा तूने? कल आ जाना बदलीपुर पार्क। देखना मैं कैसे अपना ऑल-राउंड कमाल दिखा के टीम में जगह बनाता हूं!
ट्रायल के दिन
मैं बनूंगा इस टीम का अगला स्टार!

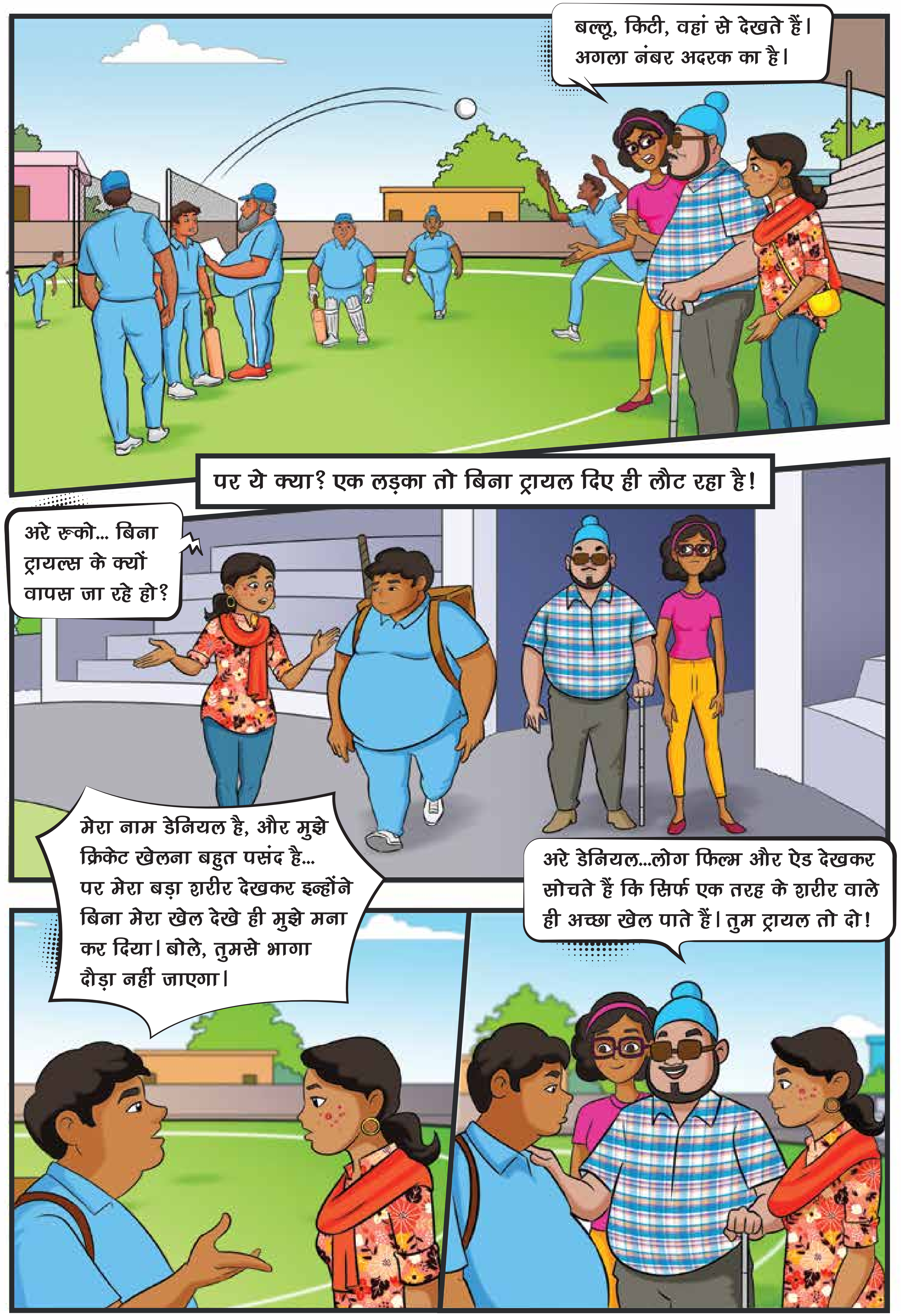
बल्लू, किटी, वहां से देखते हैं। अगला नंबर अदरक का है।
पर ये क्या? एक लड़का तो बिना ट्रायल दिए ही लौट रहा है!
अरे रूको... बिना ट्रायल्स के क्यों वापस जा रहे हो?
मेरा नाम डेनियल है, और मुझे क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है... पर मेरा बड़ा शरीर देखकर इन्होंने बिना मेरा खेल देखे ही मुझे मना कर दिया। बोले, तुमसे भागा दौड़ा नहीं जाएगा।
अरे डेनियल...लोग फिल्म और ऐड देखकर सोचते हैं कि सिर्फ एक तरह के शरीर वाले ही अच्छा खेल पाते हैं। तुम ट्रायल तो दो!

मेरी तो बहन भी ये ही सोचती है... और बोलती है कि मुझे ऐसी करना चाहिए जिसमें सिर्फ बैठने का काम हो, भागने-दौड़ने का नहीं। जैसे गिटार या ऐसा कुछ।
तुम्हें अगर क्रिकेट पसंद है, तो वो खेलो। संगीत पसंद है तो वो सीखो। पर इसलिए नहीं कि दूसरे तुम्हारा शरीर देखकर तुम्हें किस लायक समझते हैं।
क्या फायदा इन बातों का जब मुझे कोई ट्रायल ही नहीं लेने देगा... इससे तो अच्छा मैं अपना क्रिकेट किट ही बेच दूं।
दिल छोटा मत करो डेनियल... और हमें अपान नंबर दो, शायद कोई तुम्हारे किट का खरीददार मिल जाए।
तभी दूसरी तरफ से अदरक की एंट्री!
दोस्तों मुझे टीम में जगह मिल गई!

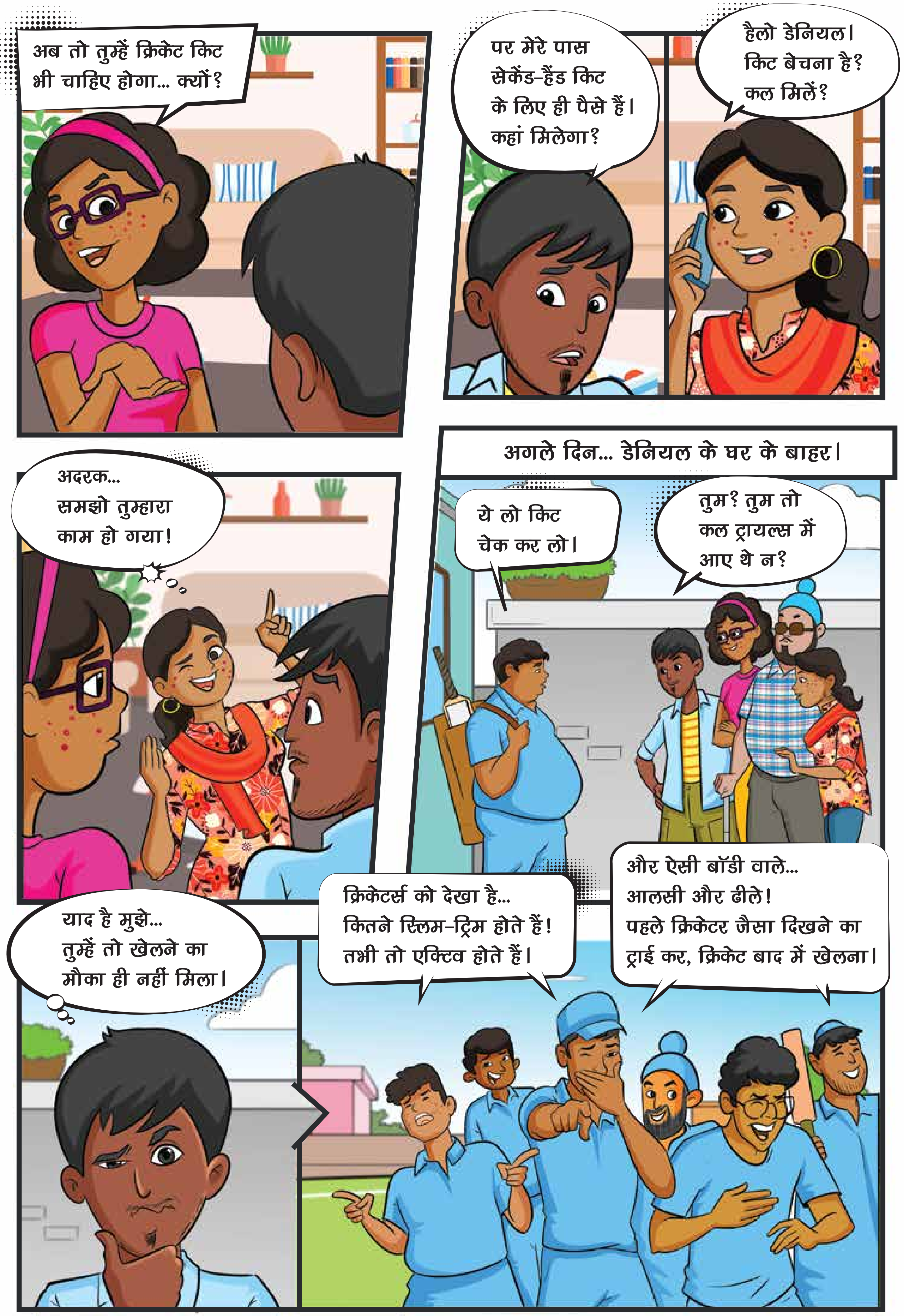
अब तो तुम्हें क्रिकेट किट भी चाहिए होगा... क्यों?
पर मेरे पास सेकेंड-हैंड किट के लिए ही पैसे हैं। कहां मिलेगा?
हैलो डेनियल। किट बेचना है? कल मिलें?
अदरक... समझो तुम्हारा काम हो गया!
अगले दिन... डेनियल के घर के बाहर।
ये लो किट चेक कर लो।
तुम? तुम तो कल ट्रायल्स में आए थे न?
याद है मुझे... तुम्हें तो खेलने का मौका ही नहीं मिला।
क्रिकेटर्स को देखा है... कितने स्लिम-ट्रिम होते हैं! तभी तो एक्टिव होते हैं।
और ऐसी बॉडी वाले... आलसी और ढीले! पहले क्रिकेटर जैसा दिखने का ट्राई कर, क्रिकेट बाद में खेलना।

तो इसलिए तुम अपना क्रिकेट किट बेच रहे हो? पर तुम्हें क्रिकेट पसंद है तो दूसरों की क्यों सुनते हो?
दूसरे ही नहीं... मेरे घर वाले भी कहते हैं कि मेरे जैसे शरीर वाले खेल-कूद नहीं पाएंगे। और मुझे बैट छोड़कर गिटार उठा लेना चाहिए।
पर क्या तुम्हें गिटार बजाना पसंद है?
नहीं। मैं क्रिकेटर बनना चाहता हूं। और इसलिए मैंने खाना-पीना भी कम कर दिया। अपने मनपसंद पकवान भी छोड़ दिए। पर मैं पतला होने की जगह कमजोर हो गया...और खेलना मुश्किल हो गया।
आधाफुल गैंगै की मीटिंग।
वो अपना किट बेचना नहीं चाहता।
अगर दूसरे किसी के शरीर को देखकर गलत धारणा बनाते हैं तो इसकी सजा डेनियल को नहीं मिलनी चाहिए।

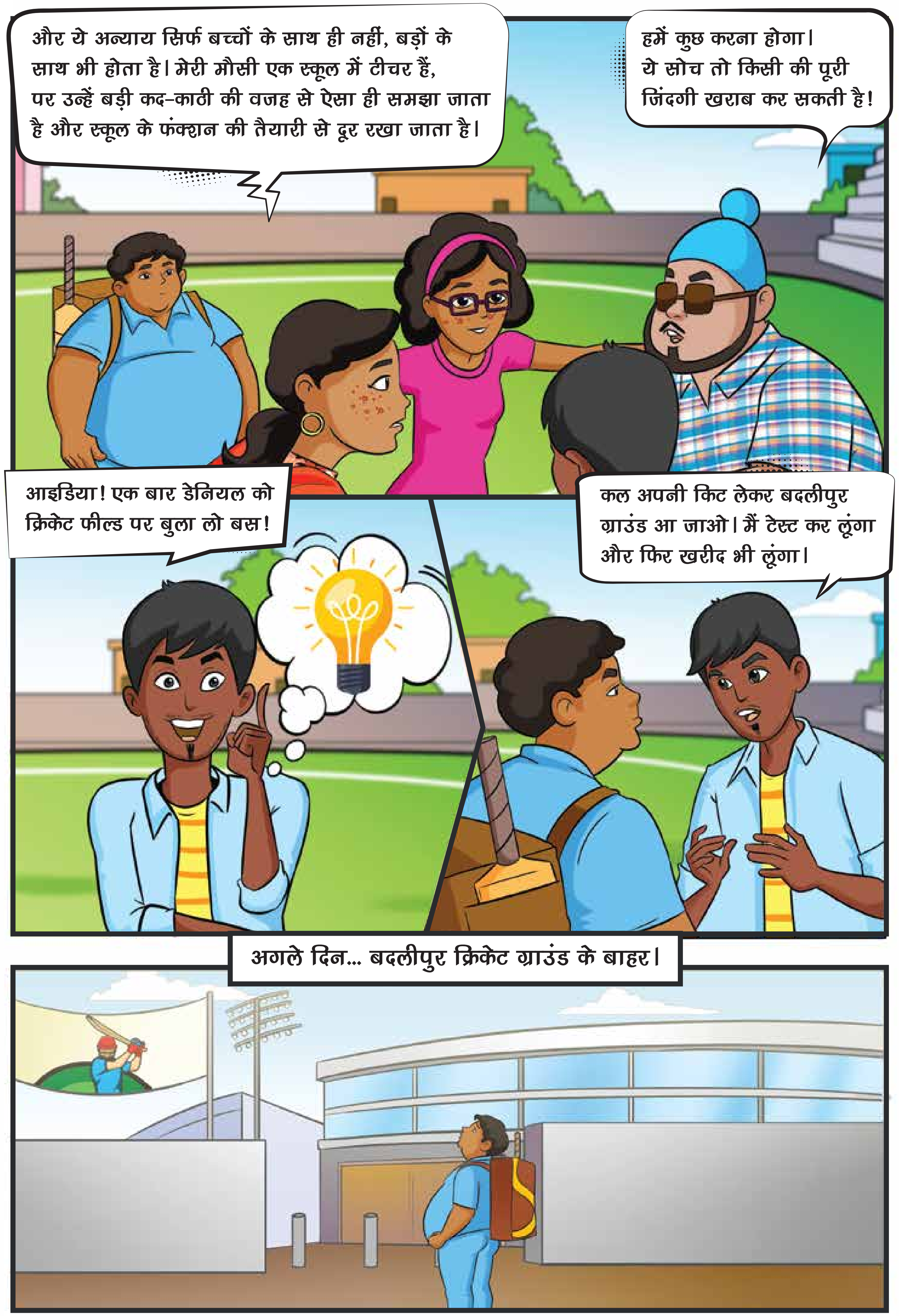

और ये अन्याय सिर्फ बच्चों के साथ ही नहीं, बड़ों के साथ भी होता है। मेरी मौसी एक स्कूल में टीचर हैं, पर उन्हें बड़ी कद-काठी की वजह से ऐसा ही समझा जाता है और स्कूल के फंक्शन की तैयारी से दूर रखा जाता है।
हमें कुछ करना होगा। ये सोच तो किसी की पूरी जिंदगी खराब कर सकती है!
आइडिया! एक बार डेनियल को क्रिकेट फील्ड पर बुला लो बस!
कल अपनी किट लेकर बदलीपुर ग्राउंड आ जाओ। मैं टेस्ट कर लूंगा और फिर खरीद भी लूंगा।
अगले दिन... बदलीपुर क्रिकेट ग्राउंड के बाहर।

हैलो अदरक! ये रहा क्रिकेट किट। कर लो टेस्ट।
अरे मैं तो अपने ही टेस्ट में फेल हो गया! प्रेक्टिस के टाइम पैर में मोच आ गई! खेलना इम्पॉसिबल।
अदरक की चोट। कोच की टेंशन!
अदरक की जगह कौन खेलेगा? यहां तो सिर्फ 10 खिलाड़ी बचे हैं।
डेनियल को लेलो... रोज प्रेक्टिस करता है वो।
ताना मारते हुए...
डेनियल को? पहले वजन तो कम कर ले अपना। देखकर लगता है खेलने नहीं सोने आया है!
लंगड़ाते हुए अदरक से तो अच्छा ही है ना। खेलने दो एक बार।

चलो मजबूरी है... क्या करें।
डेनियल अपनी किट पहन कर रेडी!
पर क्या वो खेल पाएगा?
स्पिन पर छक्का!
फास्ट बॉल पर चौका!
स्वीप! कवर शॉट! हैलीकॉप्टर शॉट!

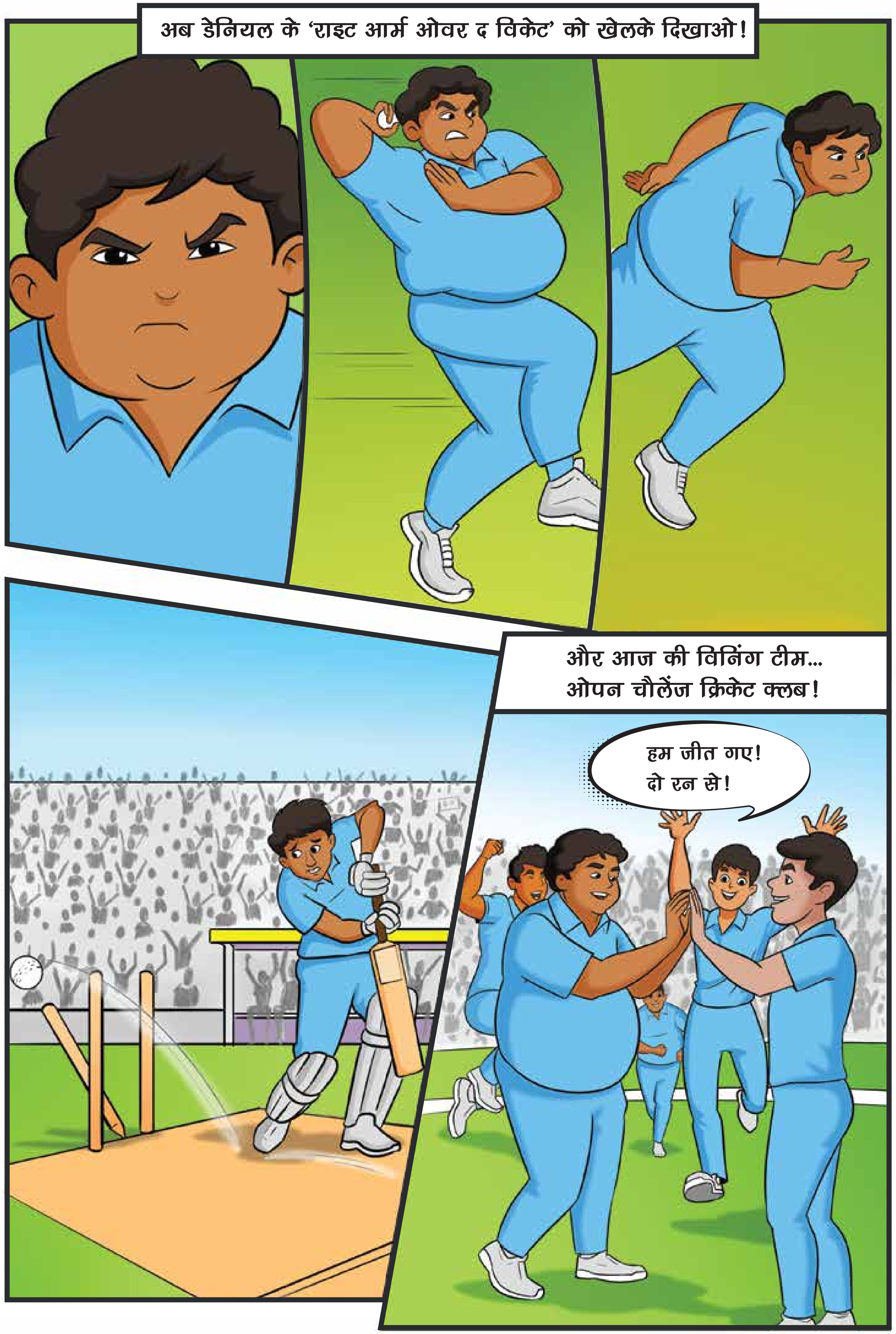
अब डेनियल के 'राइट आर्म ओवर द विकेट' को खेलके दिखाओ!
और आज की विनिंग टीम... ओपन चौलेंज क्रिकेट क्लब!
हम जीत गए! दो रन से!

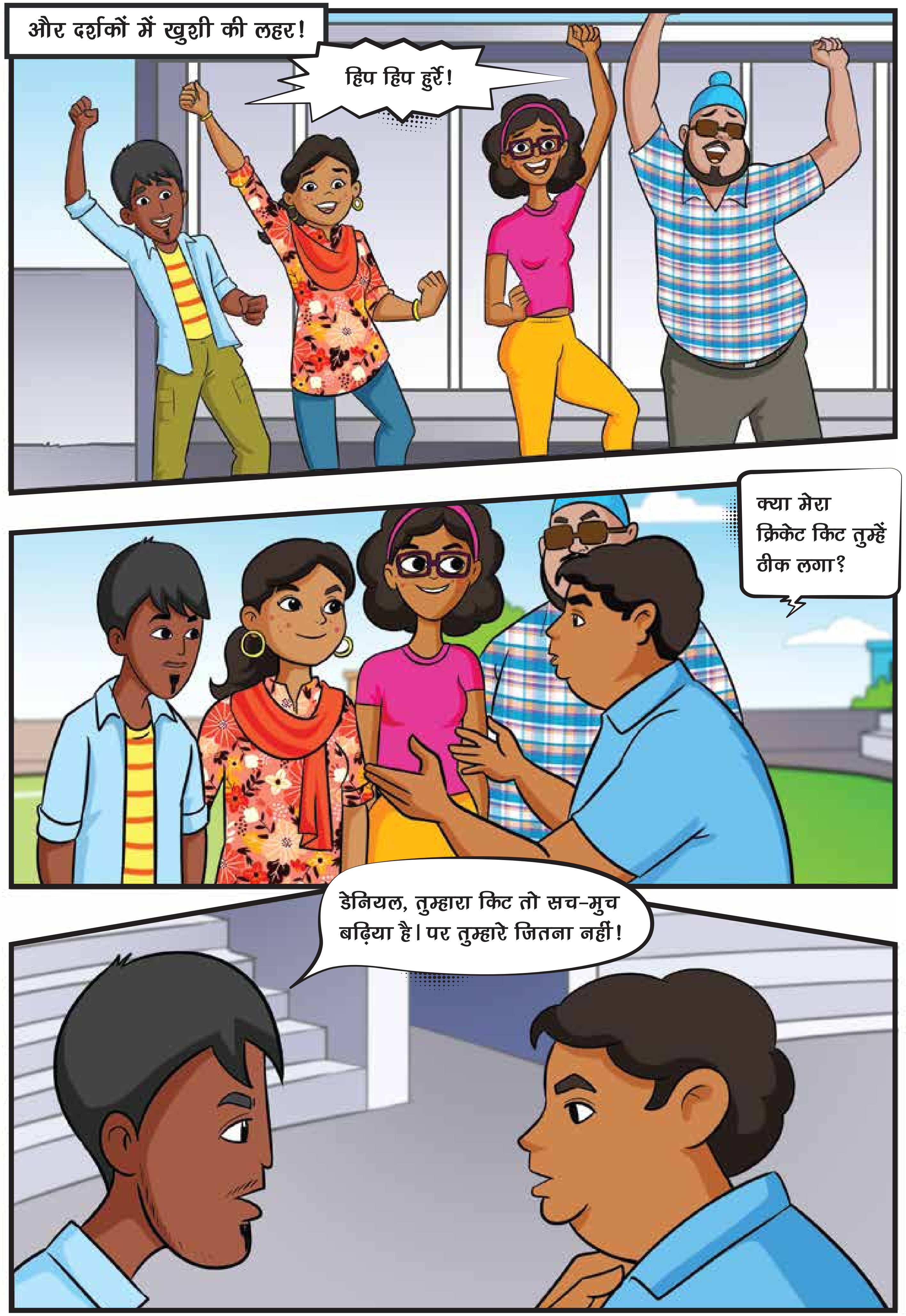
और दर्शकों में खुशी की लहर!
हिप हिप हुर्रे!
क्या मेरा क्रिकेट किट तुम्हें ठीक लगा?
डेनियल, तुम्हारा किट तो सच-मुच बढ़िया है। पर तुम्हारे जितना नहीं!

अभी भी डेनियल को आलसी और ढीला समझते हो?
माफ करना डेनियल... तुम तो मेरे भी कोच निकले। मुझे सिखा दिया कि शरीर के बड़ा होने का मतलब ये नहीं कि इंसान खिलाड़ी नहीं बन सकता।
सॉरी डेनियल! मैं समझ सकता हूं। मेरे सांवलेपन की वजह से मुझे भी स्कूल के नाटक में कभी रोल नहीं मिला। सब टीवी और फिल्म देखकर सोचते हैं कि एक्टर्स को गोरा होना चाहिए। क्योंकि फिल्मों में दिखाते हैं कि पिक्चर तभी हिट है जब एक्टर गोरा हो।
चलो तुम्हारी चोट का कुछ तो फायदा हुआ... हमें अपना ऑल-राउंडर मिल गया!

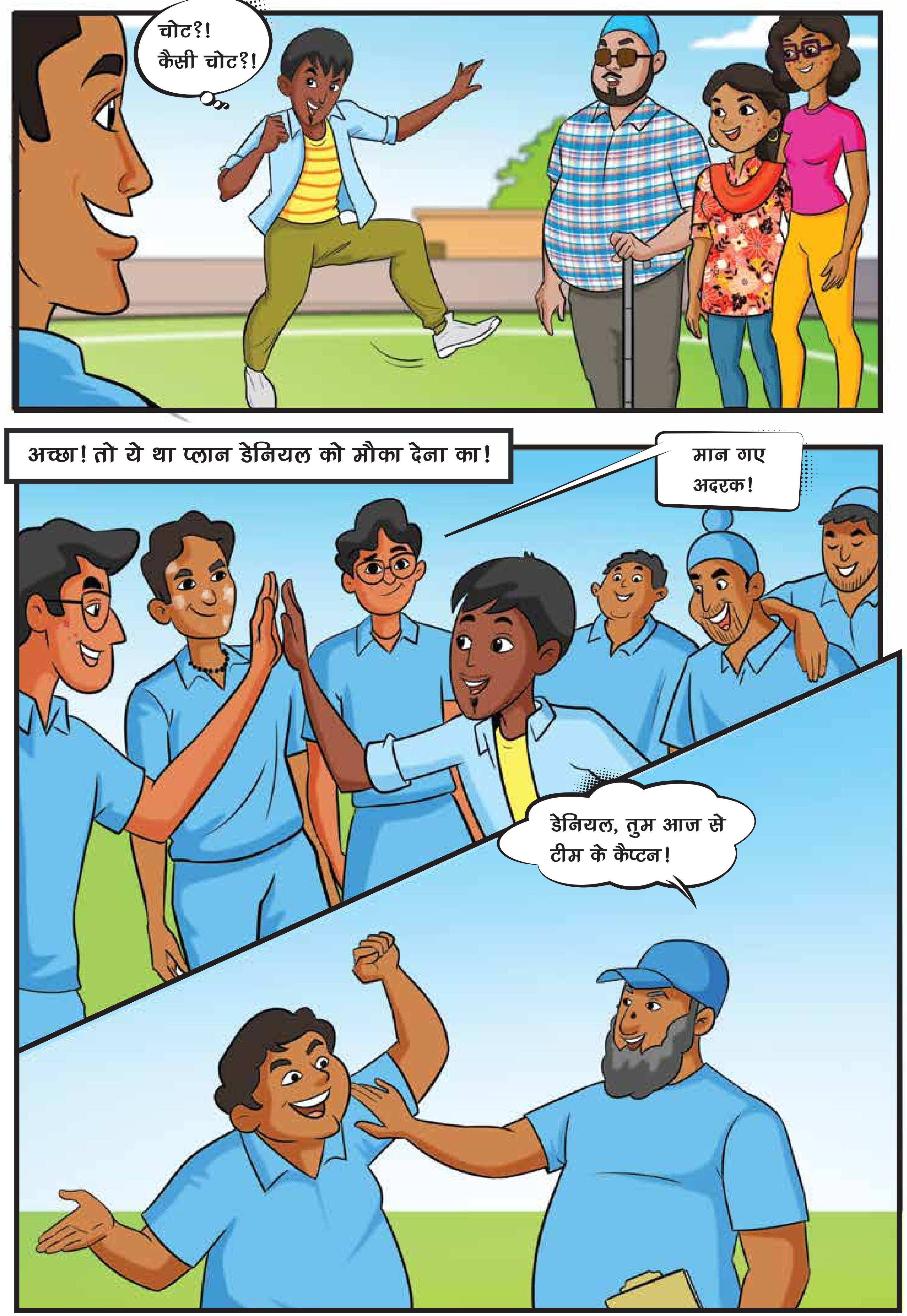
चोट?!
कैसी चोट?!
अच्छा! तो ये था प्लान डेनियल को मौका देना का!
मान गए अदरक!
डेनियल, तुम आज से टीम के कैप्टन!

अरे वाह! हमें टीम के कैप्टन के साथ एक फर्स्ट-क्लास क्रिकेट किट भी मिल गया। और वो भी फ्री!!!
हुर्रे!
हुर्रे!
#DuniyaKiNazarSeBhadkar

परिचय

हमने हर एक ग्राफिक नॉवल के पूरा होने के बाद की जाने वाली कुछ एक्टिविटीज तैयार की हैं। ये एक्टिविटीज फेसिलिटेटर यानी चुने गए ग्रुप लीडर द्वारा करवाई जाएंगी। फेसिलिटेटर को यह ध्यान रखना होगा कि सभी लड़के और लड़कियाँ उपस्थित हों और आराम से बैठें।

- एक बार ग्राफिक नॉवल पूरा हो जाने के बाद, फेसिलिटेटर को हर एक एक्टिविटी को धीरे-धीरे पढ़ना होगा, भाग लेने वाले सभी लड़के-लड़कियों को इसका मतलब समझाना होगा और यह तय करना होगा कि वे सभी लोग हर एक्टिविटी में भाग लें।
- ध्यान रखें कि सभी भाग लेने वालों को हर एक्टिविटी पर जवाब देने का मौका मिले।
- जवाब देते समय, ध्यान रखें कि सभी भाग लेने वाले, अपने हाथ ऊपर उठाएं, और फिर एक-दूसरे के जवाब को काटे बिना एक-एक करके जवाब दें। ऐसी स्थिति में, फेसिलिटेटर को यह ध्यान रखना होगा कि सभी भाग लेने वालों को अपने जवाब के लिए पूरा समय मिले।
- अगर कोई जवाब नहीं दे रहा है, तो फेसिलिटेटर को विशेष रूप से उनसे समय लेने, ग्राफिक नॉवल के मुख्य संदेशों पर सोचने और एक्टिविटी पर जवाब देने के लिए कहना होगा।
- सभी भाग लेने वालों को ग्राफिक नॉवल के मुख्य संदेशों पर सोचने और अपने निजी जीवन के ऐसे (ग्राफिक नॉवल से मेल खाने वाले) अनुभवों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें जो मुख्य संदेशों से मेल खाते हों।

शारीरिक बनावट, दिखावा और भेदभाव

सोचें, समझें और बताएं

60 सेकंड लें और ऐसी घटना के बारे में सोचें जब आपके किसी जानने वाले के साथ उसकी शारीरिक बनावट के आधार पर भेदभाव किया गया था।

1. इस कहानी से आपने क्या-क्या सीखा?

2. सही या गलत:
   किसी की शक्ल-सूरत के आधार पर भेदभाव से आत्म सम्मान में कमी, चिंता या अवसाद जैसे गंभीर नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं।

3. सही या गलत:
   यदि हम किसी की शक्ल-सूरत के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव देखते हैं, तो हमें उसका विरोध करना चाहिए।

आप क्या करेंगे?

मान लीजिए कि आपके एक स्कूल टीचर गोरी त्वचा वाले छात्रों का पक्ष लेते हैं, और गहरे रंग की त्वचा वाले छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं। आपका सबसे अच्छा दोस्त, बहुत होशियार होने के बावजूद इस शिक्षक द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है, सिर्फ इसलिए कि वह गहरे रंग का है। आप अपने सबसे अच्छे दोस्त के प्रति अपने शिक्षक के व्यवहार से परेशान हैं। आप इनमें से कौन सा कदम उठाएंगे और क्यों:

1. उस टीचर से बात करेंगे और समझाएंगे कि इस तरह के भेदभाव का लड़कों और लड़कियों पर क्या नकारात्मक असर पड़ता है। उनसे अनुरोध करेंगे कि वे किसी भी छात्र के साथ उनके शरीर के वजन, त्वचा के रंग या बालों के आधार पर भेदभाव न करें।

2. कक्षा के सभी छात्रों को एक साथ लाएंगे, और एक याचिका या चिट्ठी पर हस्ताक्षर करेंगे जिसमें स्कूल के प्रिंसिपल से इस बारे में कदम उठाने और उस टीचर से बात करने की अपील की जाए।

3. अपने दोस्त से बात करेंगे और उससे टीचर के व्यवहार को नजरअंदाज करने को कहेंगे।